

प्रेषक,

डा० भूपिन्दर कौर औलख,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
आई०सी०डी०एस०,
उत्तराखण्ड देहरादून।

महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास अनुभाग, देहरादून: दिनांक 1 जनवरी, 2017

विषय: राज्य के समस्त अतिकुपोषित बच्चों हेतु RUTF की प्रशासनिक एवं दिशानिर्देशों की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 2111/मु०बा०पो०अभि० -RUTF-3644/2016-17 दिनांक 20.12.2016 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 में मुख्यमंत्री बाल पोषण योजना के अन्तर्गत शासनादेश संख्या 1229/XVII(4)/2016-2(8)/2016 दिनांक 10.06.2016 एवं शासनादेश संख्या 1817/XVII(4)/2016-2(8)/2016 दिनांक 05.08.2016 द्वारा ₹ 13333000/- एवं ₹ 26667000/- कुल धनराशि ₹ 40000000/- आपके निर्वर्तन पर रखी गयी है, के क्रम में अनुदान संख्या-15 के अन्तर्गत 2235-सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण, 02-समाज कल्याण, 102-बाल कल्याण, 16-मुख्यमंत्री बाल पोषण योजना, 00-मुख्यमंत्री बाल पोषण अभियान के मानक मद 42-अन्य व्यय के अन्तर्गत कुल धनराशि ₹ 22,35,818.25 + ₹ 76,140.00 = ₹ 23,11,958.25 (रु० तैईस लाख ग्यारह हजार नौ सौ अठ्ठावन मात्र) व्यय किये जाने की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति निम्न प्रतिबन्धों एवं शर्तों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखते हुए व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

2- राज्य के समस्त अतिकुपोषित बच्चों हेतु RUTF के कियान्वयन हेतु दिशानिर्देश

1. राज्य में कुपोषण से मुक्त करने हेतु मुख्यमंत्री बाल पोषण अभियान योजना (राज्य योजना) के अन्तर्गत "खिलती कलियां कार्यक्रम" वर्ष 2015 से चलाया जा रहा है माह सितम्बर, 2016 से प्रयोगात्मक तौर पर जनपद-देहरादून के अतिकुपोषित बच्चों को RUTF (Ready to use Therapeutic food) तैयार कर खिलाया गया जिसमें 10 अतिकुपोषित बच्चों को, अध्ययन के तौर पर इसे माह सितम्बर, 2016 से खिलाया गया। जिसका परिणाम बहुत सकारात्मक रहा। बच्चों के वजन में एक माह के अन्दर 300-400 ग्राम की वृद्धि दर्ज की गयी व इसका स्वाद भी उन्हें पसंद आया। इस तैयार RUTF को "ऊर्जा" नाम दिया गया। यह स्थानीय खाद्यान्नों पर आधारित है। अतिकुपोषित बच्चों को सामान्य श्रेणी में आने के दो माह बाद तक इसे खिलाया जाना है।
2. RUTF के पोषण तत्वों की गणना पंतनगर कृषि विश्व विद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा की गयी। इसमें ऊर्जा, प्रोटीन, आयरन व कैल्शियम की मात्रा पर्याप्त पायी गयी जो अतिकुपोषित / कुपोषित बच्चों के लिये उपयोगी है। पंतनगर विश्वविद्यालय द्वारा यह भी प्रमाणित किया गया कि यह बच्चों के खाने योग्य है व इसका उपयोग बनाने के बाद एक महीने तक किया जा सकता है।

3. "ऊर्जा" में उपलब्ध पोषक तत्वों की गणना

क्र०सं०	मात्रा	ऊर्जा (किलो कैलोरी)	प्रोटीन (ग्राम)	आयरन (मिली० ग्रा०)	कैल्शियम (मिली० ग्राम)	वसा (ग्राम)
01	50 ग्राम	215.80	8.62	2.41	69.04	7.35
02	100 ग्राम	431.6	17.24	4.81	138.08	14.69

4. RUTF तैयार करने हेतु उपयोग में लाए जाने वाले खाद्यान्नों व सामग्री का विवरण

क्र०सं०	सामग्री	मात्रा	दर (रु० में)	अनुमानित दर प्रति किलो
1	गेहूं का आटा	1 कि०	23.00	23.00
2	सोयाबीन	1 कि०	75.00	75.00
3	भूना चना	1 कि०	130.00	130.00
4	भूनी मूंगफली	1 कि०	140.00	140.00
5	चीनी/गुड	1.50 कि०	63.00	42.00
6	घी	250 ग्राम	125.00	500.00
7	मण्डुवे का आटा	500 ग्राम	15.00	30.00
	योग	6 कि० 250 ग्राम	571.00	

- तैयार सामग्री – 6 कि० 250 ग्राम
- 5 कि० 500 ग्राम (तैयार सामग्री छीजन व पिसाई के उपरान्त)
- पिसाई एवं भुनाई = 5.00 प्रति कि० = 5 किलो 500 ग्राम = ₹ 27.50
- कुल दर ₹ 571 + ₹ 27.50 = ₹ 598.50 (रु० 600.00)
- 100 ग्राम पर व्यय = रु० 10.90
- सर्दियों में चीनी के स्थान पर गुड़ व बुरा भी प्रयोग में लाया जा सकता है।
- मौसम के अनुसार मण्डुवे के आटे के स्थान पर मक्की या चौलाई का प्रयोग किया जा सकता है।
- सोयाबीन के स्थान पर काले भट्ट, लोबिया का प्रयोग भी किया जा सकता है।

5. 'ऊर्जा' तैयार करने की विधि

- समस्त खाद्य सामग्री को साफ करने के उपरान्त भूनकर पीसा जाएगा। गेहूं के आटे व मण्डुवे के आटे को घी में भूना जायेगा। समस्त सामग्री को आपस में अच्छी तरह मिलाया जाएगा। इसमें पीसी हुई चीनी ही का उपयोग किया जायेगा। समस्त सामग्री को तैयार करने के लिए साफ-सफाई का विशेष तौर पर ध्यान रखा जाएगा।
- तैयार 'ऊर्जा' को साफ प्लास्टिक के डब्बों में चम्मच सहित पैक कर लाभार्थियों के लिए आंगनवाड़ी केन्द्रों पर पहुंचाया जाएगा।
- 'ऊर्जा' महिला स्वयं सहायता समूह के माध्यम से तैयार करवायी जाएगी।
- परियोजना कार्यालय तक तैयार सामग्री पहुंचाने की जिम्मेदारी संबंधित स्वयं सहायता समूह की ही होगी। तैयार सामग्री बनाने की तिथि के दो दिन के अन्तर्गत परियोजना कार्यालय तक अनिवार्य रूप से पहुंचानी होगी।
- परियोजना कार्यालय से आंगनवाड़ी केन्द्र तक दो दिन के अन्दर सामग्री पहुंचाने की जिम्मेदारी संबंधित बाल विकास परियोजना अधिकारी/क्षेत्रीय मुख्य सेविका की होगी।
- यह तैयार सामग्री एक माह के अन्दर ही उपयोग में लायी जाएगी।

6. ध्यान देने योग्य बातें

- प्रत्येक डिब्बे पर सामग्री बनने की तिथि का अंकन अनिवार्य रूप से किया जाएगा।
- प्रथम बार प्लास्टिक के डिब्बे में पैक सामग्री वितरित की जाएगी। अगले माह से प्लास्टिक बैग में सामग्री परियोजना कार्यालय/आंगनबाड़ी केन्द्रों पर पहुंचायी जाएगी।
- प्रथम बार डिब्बे के साथ 25 ग्राम का प्लास्टिक चम्मच भी उपलब्ध करवाया जाएगा।
- प्लास्टिक बैग पर सामग्री बनाने की तिथि का अंकन अनिवार्य रूप से होगा।
- प्लास्टिक बैग से सामग्री पूर्व में ही उपलब्ध खाली डिब्बे में पलटकर रखी जायेगी। डिब्बे पर सामग्री बनने की तिथि का अंकन अनिवार्य रूप से हाथ से लिख दिया जायेगा।

7. खिलाने का तरीका

“ऊर्जा” खाद्यान सामग्री को आंगनबाड़ी केन्द्र पर वितरित किया जायेगा। यह पूर्व में आवंटित किये जाने वाले टी0एच0आर0 से अतिरिक्त होगा। प्रथम चरण में यह अतिकुपोषित बच्चों को खिलायी जायेगी। प्रत्येक डिब्बे के साथ प्रथम बार 25 ग्राम की प्लास्टिक चम्मच भी उपलब्ध करवायी जायेगी।

- 06 माह से 01 वर्ष के अतिकुपोषित बच्चों को दिन में 02 बार, 50 ग्राम प्रतिदिन इसे खिलाया जाना है।
- 01 वर्ष से 05 वर्ष के अतिकुपोषित बच्चों को दिन में 02 बार, 100 ग्राम प्रतिदिन खिलाया जाना है।
- इसे गुनगुने दूध या पानी में मिलाकर खिलाया जा सकता है।
- बच्चे को खिलायी गयी सामग्री यदि कटोरी में बच गयी है, तो उसे नष्ट कर दिया जायेगा। इसे बचाकर बाद में बच्चे को खिलाने के लिए कदापि न रखा जाये।
- 02 से 05 वर्ष के बच्चों को लड्डू बनाकर भी खिलाया जा सकता है।

8. जिला स्तरीय निगरानी समिति— जनपद में “ऊर्जा” तैयार करने हेतु स्वयं सहायता समूह का चयन जिला स्तरीय समिति द्वारा किया जाएगा। “ऊर्जा” खाद्यान सामग्री के लिए कच्चा खाद्यान खरीदने, साफ—सफाई, भूनने, पीसने, मिलाने, पैक करने, परियोजना कार्यालय तक पहुंचाने व आंगनबाड़ी केन्द्र तक वितरण व लाभार्थी को खिलाने तक पर सम्पूर्ण निगरानी व अनुश्रवण की जिम्मेदारी समिति की होगी।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में निम्नानुसार समिति गठित की जाती है:—

- | | |
|---|---------------|
| 1. मुख्य विकास अधिकारी | — अध्यक्ष, |
| 2. जिला कार्यक्रम अधिकारी | — सदस्य सचिव, |
| 3. समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारी | — सदस्य |
| 4. मुख्य विकास अधिकारी द्वारा नामित चार सुपरवाइजर | — सदस्य |
| 5. चिकित्सा विभाग से ड्रग कन्ट्रोलर/फूड इंस्पेक्टर | — सदस्य |
| 6. गृह विज्ञान विभाग से संबंधित महिला अधिकारी/अध्यापिका | — सदस्य |

प्रत्येक माह का तैयार 'ऊर्जा' का एक सैम्पल समस्त समिति के सदस्यों के हस्ताक्षर के साथ कार्यालय में अनिवार्य रूप से रखा जाए।

समिति द्वारा प्रत्येक माह तैयार 'ऊर्जा' के लिए प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाएगा—
 "प्रमाणित किया जाता है कि 'ऊर्जा' (RUTF) हमारी निगरानी में बनाई गई है। मानकों के अनुसार समस्त खाद्य सामग्री की पूर्ण मात्रा इसमें शामिल की गयी है। इसे बनाते समय पूरी सफाई व बनाने की प्रक्रिया पर ध्यान दिया गया है। इसे निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत वितरित किया जा रहा है।"

9. वित्तीय मानक— लाभार्थी समूह अतिकुपोषित 6 माह से 5 वर्ष तक के बच्चे— 6 माह से एक वर्ष के अतिकुपोषित बच्चों को 'ऊर्जा' प्रतिदिन 50 ग्राम दी जाएगी।

तालिका-01

06 माह से 01 वर्ष के अतिकुपोषित बच्चों को दिये जाने वाले 'ऊर्जा' RUTF का आंकलन

बच्चे की संख्या	प्रतिदिन दी जाने वाली मात्रा (ग्राम)	प्रतिदिन का व्यय (रु०)	वितरित दिवसों की संख्या	25 दिनों के लिए प्रति बच्चा कुल मात्रा (ग्राम)	25 दिनों के लिए प्रति बच्चा कुल मात्रा व्यय (रु०)
01	02	03	04	05	06
1	50	5.45	25	1250	136.25

उक्त तालिका के अनुसार प्रतिदिन बच्चे को 50 ग्राम 'ऊर्जा' खिलाया जाना है। जिस पर प्रतिदिन व्यय ₹ 5.45/- होगा। प्रतिमाह 25 दिवसों हेतु 01 बच्चे को 1.250 किलो ग्राम की आवश्यकता होगी। जिस पर व्यय ₹ 136.25/- होगा।

➤ 1 वर्ष से 05 वर्ष के अतिकुपोषित बच्चों को 'ऊर्जा' प्रतिदिन 100 ग्राम दी जाएगी।

तालिका-02

• 01 वर्ष से 05 वर्ष के अतिकुपोषित बच्चों को दिये जाने वाले 'ऊर्जा' का आंकलन

बच्चे की संख्या	प्रतिदिन दी जाने वाली मात्रा (ग्राम)	प्रतिदिन का व्यय (रु०)	वितरित दिवसों की संख्या	25 दिनों के लिए प्रति बच्चा कुल मात्रा (ग्राम)	25 दिनों के लिए प्रति बच्चा कुल मात्रा व्यय (रु०)
01	02	03	04	05	06
1	100	10.90	25	2500	272.50

उक्त तालिका के अनुसार प्रतिदिन बच्चों को 100 ग्राम 'ऊर्जा' खिलाया जाना है। जिस पर प्रतिदिन व्यय ₹ 10.90/- होगा। प्रतिमाह 25 दिवसों हेतु 01 बच्चे को 2.50 किलो ग्राम की आवश्यकता होगी। जिस पर व्यय ₹ 272.50/- होगा।

10. 'ऊर्जा' की पैकिंग

1. अतिकुपोषित प्रति बच्चों के लिए चार किलो का प्लास्टिक का हवाबन्द डिब्बा एवं 25 ग्राम की चम्मच क्रय हेतु निम्नानुसार व्यय भार आना प्रस्तावित है:—

क्र०सं०	सामग्री	मात्रा	दर
1	प्लास्टिक का हवाबन्द डिब्बा (4 किलो)	01	110.00
2	प्लास्टिक चम्मच (25 ग्राम)	01	05.00
योग			115.00
(कुल धनराशि रु० एक सौ पन्द्रह मात्र)			

2. प्लास्टिक का चम्मच व डिब्बा प्रति लाभार्थी एक बार ही दिया जाएगा। अगले माह का 'ऊर्जा' प्लास्टिक के पैकेट में पैक करके वितरित किया जाएगा।
3. प्लास्टिक की थैली व पैकिंग पर व्यय ₹ 2.00 प्रति लाभार्थी (2.500 कि०ग्रा०) होना प्रस्तावित है।
4. पैकेट व डिब्बे पर 'ऊर्जा' का लेवल (sticker) लगाया जाएगा। जिस पर कच्ची सामग्री, पोषक तत्वों का विवरण व बनाने की तिथि का अंकन अनिवार्य रूप से किया जाएगा।

तालिका -3 के अनुसार प्रथम बार 'ऊर्जा' वितरण का प्रति लाभार्थी व्यय तथा अगले माह का व्यय विवरण निम्नवत् है-

तालिका - 3

क्र० सं०	आयु वर्ग	ऊर्जा की मात्रा मासिक कि०ग्रा०	व्यय मासिक रुपये	प्लास्टिक के डिब्बे व चम्मच पर व्यय रु०	कुल व्यय	अगले माह का कुल व्यय प्लास्टिक की पॉलिबैग के साथ
1	2	3	4	5	6	7
1	6 माह से 1 वर्ष	1.250	136.25	115	251.25	136.25+2.00=138.25
2	1 वर्ष से 5 वर्ष	2.500	272.50	115	387.50	272.50+2.00=274.50

- राज्य के 13 जनपदों में मासिक प्रगति रिपोर्ट सितम्बर, 2016 के आधार पर जन्म से 5 वर्ष के अतिकुपोषित बच्चों की संख्या 2538 है। अतिकुपोषित बच्चों के पंजीकरण के आधार पर यह संख्या घटती बढ़ती रहेगी।
- जन्म से 1 वर्ष के अतिकुपोषित बच्चों की संख्या- 345 है। जिस पर कुल लाभार्थियों पर व्यय भार प्रथम माह ₹ 86681.25 प्रस्तावित है। अगले माह से यह व्यय भार ₹ 47696.25 होगा।
- कुल लाभार्थी तीन माह हेतु प्रस्तावित धनराशि ₹ 182073.75 (रुपये लगभग एक लाख बयासी हजार चौहत्तर मात्र) है।
- एक वर्ष से 5 वर्ष के बच्चों की संख्या- 2193 है। जिस पर कुल लाभार्थियों पर व्यय भार प्रथम माह ₹ 849787.50 प्रस्तावित है। अगले माह से यह व्यय भार ₹ 601978.50 होगा।
- कुल लाभार्थी तीन माह हेतु प्रस्तावित धनराशि ₹ 2053744.50 (रु० लगभग बीस लाख तिरेप्पन हजार सात सौ पैंतालिस मात्र) है।

11. **अनुश्रवण एवं मूल्यांकन-** 'ऊर्जा' को बनाना, वितरण एवं लाभार्थी को खिलाना संवेदनशील प्रक्रिया है। यह अतिकुपोषित बच्चों को कुपोषण से मुक्त करने के उद्देश्य से अभिनव प्रयोग के तौर पर राज्य में लागू की जा रही है। समस्त प्रक्रिया नियमानुसार व समयबद्ध सीमा के अन्तर्गत हो, इस पर विशेष रूप से ध्यान देने की आवश्यकता है। अतः जनपद स्तर के अधिकारियों, निदेशालय व सचिवालय के अधिकारियों/कर्मियों समय-समय पर इसका मूल्यांकन व अनुश्रवण किया जाएगा।

12. दण्ड का प्राविधान – किसी भी प्रकार की कमी पाने पर संबंधित स्वयं सहायता समूह, जिला कार्यक्रम अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी, सुपरवाइजर व आंगनवाड़ी कार्यकर्ती/ सहायिका/मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ती के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। खाद्य सामग्री की गुणवत्ता में कमी, बनाने की प्रक्रिया में लापरवाही/साफ सफाई का ध्यान न रखना, बनाने की तिथि का अंकन स्पष्ट न किया जाना व निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत तैयार 'ऊर्जा' को परियोजना कार्यालयों तक न पहुँचाने जैसी शिथिलता पाये जाने पर संबंधित स्वयं सहायता समूह के विरुद्ध दण्डात्मक कार्यवाही – धन वसूली व काली सूची में अंकन किया जाना आदि की जाएगी।

13. प्रीटिंग सामग्री– पैकेट व डिब्बे पर 'ऊर्जा' का लेवल (sticker) लगाया जाएगा। जिस पर कच्ची सामग्री, पोषक तत्वों का विवरण व बनाने की तिथि का अंकन अनिवार्य रूप से किया जाएगा।

➤ आंगनवाड़ी केन्द्र पर 'ऊर्जा' के संबंध में पैम्पलेट भी उपलब्ध करवाये जाएंगे, जिन पर पूर्ण विवरण – सावधानियां, खिलाने का तरीका आदि अंकित किया जाएगा।

14. व्यय भार– डिब्बे पर लगाये जाने वाला बड़े स्टीकर की दर – ₹12.00 अनुमानित होगा।

➤ पैकेट पर लगाये जाने वाले छोटे स्टीकर की दर – ₹ 5.00 अनुमानित होगी।
 ➤ 'ऊर्जा' के पैम्पलेट की दर – ₹ 8.00 प्रति अनुमानित होगी।
 ➤ कुल अनुमानित दर – ₹ 25.00 होगी।

क्र० सं०	अतिकुपोषित बच्चों की संख्या	बड़े स्टीकर की दर एक माह हेतु (रु०)	छोटे स्टीकर की दर दो माह हेतु (रु०)	'ऊर्जा' के पैम्पलेट की दर (रु०)	कुल अनुमानित दर (रु०)
1	2	3	4	5	6
1	2538	12	5 x 2 = 10	8	76140

3– इस सम्बन्ध में राज्य के कुल 2538 अतिकुपोषित बच्चों के लिये "ऊर्जा" 03 माह हेतु माह जनवरी, 2017 से माह मार्च, 2017 तक उपलब्ध करारये गये प्रस्ताव हेतु धनराशि रु० 22,35,818.25 तथा प्रिन्टिंग सामग्री हेतु अतिरिक्त धनराशि रु० 76,140.00 अर्थात् कुल धनराशि रु० 23,11,958.25 (रु० तेईस लाख ग्यारह हजार नौ सौ अठ्ठावन मात्र) के प्रस्ताव पर होने वाला व्यय मुख्यमंत्री बाल पोषण योजना के अन्तर्गत आय-व्ययक में वित्तीय वर्ष 2016-17 में प्राप्त धनराशि रु० 4.00 करोड़ में से अनुदान संख्या-15 के अन्तर्गत 2235-सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण, 02-समाज कल्याण, 102-बाल कल्याण, 16-मुख्यमंत्री बाल पोषण योजना, 00-मुख्यमंत्री बाल पोषण अभियान के मानक मद 42-अन्य व्यय से वहन किया जायेगा।

4– यह आदेश वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के अशा० पत्र संख्या 1547 (p)/XXVII(1)/2016-17 दिनांक 09 जनवरी, 2017 द्वारा प्रदत्त सहमति के क्रम में निर्गत की जा रही है।

भवदीया,

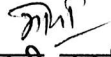
(डा० भूपिन्दर कौर औलख)
सचिव।

संख्या- 81 (1)/XVII(4)/2017-5(126)/16 तददिनांकित

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. प्रमुख सचिव/सचिव, मा० मुख्यमंत्री को मा० मुख्यमंत्री जी के अवलोकनार्थ।

2. सचिव, श्री राज्यपाल, राजभवन, उत्तराखण्ड।
3. स्टॉफ ऑफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
4. महालेखाकार, उत्तराखण्ड।
5. मण्डलायुक्त गढ़वाल/कुमायू मण्डल, पौड़ी एवं नैनीताल।
6. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
7. समस्त जिला कार्यक्रम अधिकारी, उत्तराखण्ड।
8. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड।
9. निदेशक, कोषागार, उत्तराखण्ड देहरादून।
10. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(मायावती ढकरियाल)
संयुक्त सचिव